मैं फिर से खाटू आ गया

तेरा जादू खाटू वाले ऐसा सर पे छा गया,
मैं फिर से खाटू आ गया.....

जब भी मैं सांवरे थोडा उदास हो जाता हूँ,
तुझसे मिलने मुरली वाले दौड़ दौड़ आता हूँ,
संग ले करके भक्तो की टोली गाड़ी भर करके आ गया,
मैं फिर से खाटू आ गया....

घर से लकर रिंगस तक रिंगस फिर खाटू तक,
चैन नही आता है बाबा तेरा पैडी चढने तक,
तेरा सोडा मुखड़ा बाबा इन नैनो को भा गया,
मैं फिर से खाटू आ गया.....

मै आऊ हर बार जी संग लेकर परिवार जी,
कर कृपा हर महीने नही रहूँ हर हफ्ते तैयार जी,
मैं नाचू दरबार में ऐसे जैसे फिर से फागुन आ गया,
मैं फिर से खाटू आ गया.....

https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/27211/title/main-phir-se-khatu-aa-gya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |